मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 272, मुंबई, गुरुवार, 2 जनवरी, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI™ VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

वाल्मिक कराड को मिल रहा वीवीआईपी ट्रीटमेंट

रोहित पवार ने उठाए सवाल

सरपंच हत्याकांड में जांच करेगी एसआईटी टीम

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बीड हत्याकांड को लेकर राज्य में माहौल गरम है। आरोपियों पर कार्रवाई न होने से पूरे राज्य में रोष व्यक्त किया जा रहा था। सभी दलों की ओर से मौन जुलूस भी निकाला गया था। मासजोग गांव के ग्रामीणों ने जल विसर्जन विरोध प्रदर्शन भी किया था। इस मामले में की गंभीरता को देखकर अब महाराष्ट्र सरकार ने मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या की जांच के लिए बुधवार को 10 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

14 दिनों की हिरासत

वहीं वाल्मीक कराड को 14 दिनों की हिरासत में भेज दिया गया है। इसके बाद दावा किया जा रहा है कि बीड़ थाने में पांच नए बेड मंगवाए गए हैं। इस संबंध में कल रात से ही काफी चर्चा हो रही है। इसके बाद शरद पवार गुट के नेता और विधायक रोहित पवार ने अपनी आवाज उठाई है और सत्ताधारी पार्टी पर जमकर निशाना साधा है।

तेजस्वी यादव को मिलेगी कुर्सी...बिहार में हलचल तेज

नीतीश कुमार पलटे तो कौन बनेगा मुख्यमंत्री?

मुंबई हलचल/संवाददाता

पटना। बिहार में इन दिनों राजनीतिक हलचल तेज है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि नीतीश कुमार जल्द ही कोई बड़ा फैसला लेने वाले हैं। हील के घटनाक्रमों को देखें तो इन अटकलों को और हवा मिल जाती है। नीतीश कुमार इन दिनों खामोश हैं। दिल्ली से लौटने के बाद भी वह मीडिया से मुखातिब नहीं हुए। इससे पहले भी जब-जब नीतीश कुमार खामोश हुए हैं, तब बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब नए साल के मौके पर लालू यादव ने नीतीश कुमार को लेकर कहा कि उनके लिए दरवाजे खुले हैं। जबसे बिहार की राजनीति में हलचल बढ़ गई है। हालांकि जब लालू यादव से सीएम को लेकर सवाल किया गया तो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री बनेंगे, उनको मेरा आशीर्वाद है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

नागपुर में डबल हत्याकांड

माता-पिता को बेटे ने ही उतारा मौत के घाट

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। नए साल की शुरूआत में ही महाराष्ट्र के नागपुर से एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जिसे सुनते ही किसी की भी रूह कांप जाए। नागपुर से एक मामला सामने आया है, जहां एक इंजिनियरिंग पढ़ रहे छात्र ने अपने ही माता-पिता की दर्दनाक तरीके से हत्या कर दी है। पुलिस के मुताबिक ये घटना बुधवार 1 जनवरी की है। यह वारदात नागपुर के कपिल नगर इलाके में घटी, जहां 26 दिसंबर को एक 25 साल के युवक उत्कर्ष ढकोले ने अपने माता-पिता की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार आरोपी और उसके माता-पिता के बीच करियर और पढ़ाई को लेकर कई दिनों से अनबन चल रही थी और आखिरकार युवक ने ये बड़ा कदम उठाया। पुलिस को इस घटना की जानकारी तब लगी जब बुधवार को पड़ोसियों को दुर्गंध आने लगी, जिसके कारण पड़ोसियों ने पुलिस से इसकी शिकायत की। जांच के बाद घटना का खुलासा हुआ कि माता-पिता 26 दिसंबर से ही मृत थे और उनके शरीर से दुर्गंध फैल गई थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अजित पवार बनेंगे पुणे के पालक मंत्री!

दत्तात्रेय भरणे ने बताया अब तक मंत्री पद न संभालने का कारण

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। राज्य में महायुति सरकार बने करीब एक महीना हो गया है। कैबिनेट का विस्तार भी हो चुका है। पोर्टफोलियो भी बांट दिया गया है। लेकिन, पालकमंत्री पर अब भी सस्पेंस बना हुआ है। पुणे की बात करें तो चर्चा है कि मंत्री पद नहीं मिलने से महायुति में कुछ नेता नाराज हैं। खातों का आवंटन हुए इतना समय हो जाने के बावजूद कुछ मंत्रियों ने अभी तक अपने पद का कार्यभार नहीं संभाला है। इस बीच एनसीपी नेता और मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि डिप्टी सीएम अजित पवार ही पुणे जिले के पालकमंत्री होंगे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पालकमंत्री पद को लेकर खींचतान!

राज्य का नेतृत्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कर रहे हैं और चुनाव में उन्हें जो सफलता मिली है वह अभूतपूर्व है। महायुति में शामिल बीजेपी, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अपनी इच्छा के मुताबिक जिले के पालक मंत्री का पद चाहते हैं। हालांकि, कई जिलों पर भाजपा और राकांपा दावा कर रही हैं। कुछ जगहों पर महायुति में शामिल तीनों दलों के नेताओं की दावेदारी है। इसलिए चर्चा हो रही है कि पालकमंत्री पद पर नियुक्ति करना मुश्किल हो रहा है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार पुणे जिले का पद चाहते हैं।

हमारी बात

बातचीत ही रास्ता है

केंद्र को पूर्वोत्तर की चिंताओं पर गौर करना चाहिए। उचित यह होगा कि चीन से इस मुद्दे पर सीधी बात की जाए। चीन भी नदी जल बंटवारे संबंधी अंतरराष्ट्रीय संधियों से बंधा हुआ है। उससे इस बारे में ठोस आश्वासन मांगा जाना चाहिए।

चीन के ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने के एलान से पूर्वोत्तर भारत, और यहां तक कि बांग्लादेश में भी चिंता पैदा हुई है। आशंका है कि कभी हादसा होने से बांध टूटा, तो पूरा पूर्वोत्तर डूब जाएगा। साथ ही तनाव के हालात में चीन ब्रह्मपुत्र पानी भी रोक सकता है। ब्रह्मपुत्र नदी चीन में यारलुंग सांगपो नाम से जानी जाती है। अरुणाचल प्रदेश में इसे सियांग नाम से जाना जाता है। असम पहुंचने पर उसका नाम ब्रह्मपुत्र हो जाता है। ब्रह्मपुत्र की कुल लंबाई करीब 2,880 किलोमीटर है। इसका 1,625 किलोमीटर हिस्सा चीन के तिब्बत में है। भारत में 918 और बांग्लादेश में 337 किमी इलाके में ये नदी बहती है। पर्यावरणविदों ने ध्यान दिलाया है कि चीन की ओर से अतिरिक्त पानी छोड़ने की वजह से हाल के वर्षों में अरुणाचल में तीन बार भयावह बाढ़ आ चुकी है। इसके अलावा इलाके में पहले कई अन्य प्राकृतिक आपदाएं हो चुकी हैं। वर्ष 2000 में यारलुंग सांगपो की सहायक नदी ईगोंग सांगपो में भूकंप के कारण बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ था। इससे अरुणाचल प्रदेश और असम में भयावह बाढ़ आई, जिससे जान–माल का भारी नुकसान हुआ। ऐसी घटनाएं बाद में भी हुई हैं। इस कारण ताजा खबर आने के बाद से पूरे इलाके में चिंता गहराने की खबरें हैं। अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा है कि चीन बीते कई वर्षों से अरुणाचल से सटे सीमावर्ती इलाकों में बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचे का निर्माण कर रहा है। उन्होंने इस मुद्दे पर बातचीत की जरूरत बताई। केंद्र सरकार को ऐसी चिंताओं पर तुरंत गौर करना चाहिए। अब चूंकि चीन से द्विपक्षीय वार्ता फिर शुरू हो चुकी है, इसलिए उचित यह होगा कि चीन से इस मुद्दे पर सीधी बात की जाए। चीन भी नदी जल बंटवारे संबंधी अंतरराष्ट्रीय संधियों से बंधा हुआ है। उससे इस बारे में ठोस आश्वासन मांगा जाना चाहिए। भारत सरकार के लिए उचित होगा कि वह अंतरराष्ट्रीय संधियों के उपयुक्त प्रावधानों का उल्लेख इस सिलसिले में करे। संभव हो, तो बांग्लादेश को भी शामिल कर त्रिपक्षीय वार्ता के लिए पहल की जानी चाहिए।

भारत नहीं आ रहे घुमक्कड़!

नए साल की पूर्व संध्या पर गोवा सूना है और आगरा में विदेशियों से ज्यादा एनआरआई हैं। जानकारी के मुताबिक, जयपुर, उदयपुर और जैसलमेर में भी इस साल कम पर्यटक पहुंचे हैं।

भारत बिला शक दुनिया की सबसे दिलचस्प जगह है। यहां की महक और यहाँ का माहौल, यहाँ के लोग और यहाँ की चीजें, यहाँ का इतिहास और यहाँ के रहस्य झ्र सभी अनूठे हैं। यहां जीतने के लिए पहाड़ हैं, तैरने के लिए समंदर हैं, घूमने के लिए शहर हैं और ऐसे राज्य हैं जिनमें आप खो सकते हैं। यहाँ सभी के लिए चाय और जलेबियां हैं और अपने आपको ऊंचे दर्जे का मानने वालों के लिए काफी और ब्लेक फारेस्ट केक भी हैं। भारत में सबके लिए सब कुछ है और हरेक के लिए कुछ न कुछ। यहां 43 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं। दुनिया के सात अजूबों में से एक यहाँ है। हमारे देश की खूबसूरती पर्यटकों और घुमक्कड़ों को सम्मोहित करने वाली है और हाँ, वे यहाँ बहुत कुछ सीख-जान भी सकते हैं।

इसके बावजूद कुछ समय से भारत पर्यटकों का स्वर्ग का दर्जा खोता जा रहा है। इस साल का हॉलिडे सीजन इसका गवाह है। नए साल की पूर्व संध्या पर गोवा सूना है और आगरा में विदेशियों से ज्यादा एनआरआई हैं। जानकारी के मुताबिक, जयपुर, उदयपुर और जैसलमेर में भी इस साल कम पर्यटक पहुंचे हैं। और अगर आप गूगल पर भारत में पर्यटकों की घटती संख्या सर्च करेंगे तो नतीजे देखकर आपको धक्का लगेगा। वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की यात्रा और पर्यटन रेंकिंग में भारत 2019 से अब तक 10 स्थान नीचे खिसककर 39वें पायदान पर पहुंच गया है। जहां दि इकोनोमिस्ट ने विदेशी अब छुट्टियां मनाने भारत क्यों नहीं आ रहे हैं विषय पर पूरी रपट प्रकाशित की है वहीं दुबई में भारत से ज्यादा पर्यटक पहुंच रहे हैं - और इनमें बड़ी संख्या भारतीयों की है!

आप सोचते होंगे कि हमने शानदार हाईवे और हवाईअड्डे बनाये हैं, हम दुनिया की बड़ी आर्थिक शक्ति बन गए हैं, कई शहरों में नए एअरपोर्ट बन रहे हैं। हमारी एयरलाइनों ने सैकड़ों जहाज खरीदने के आर्डर दिए हैं। ऐसे में दुनिया भर के पर्यटक भारत की ओर रूख कर रहे होंगे। हकीकत इसके उलट है। विदेशी तो छोड़िये, भारत के पर्यटन स्थलों पर भारतीय भी नहीं पहुंच रहे हैं। मेरे परिचितों में से बहुत से छुट्टियां और क्रिसमस और नया साल मनाने के लिए दुबई, थाईलैंड या यूरोप गए हैं।

ज्यादातर देश पर्यटन को एक अहम निर्यात उद्योग मानते हैं क्योंकि इससे विदेशी मुद्रा हासिल होती है, टैक्स से आमदनी बढ़ती है और लोगों को रोजगार हासिल होता है। पर्यटन का दुनिया की जीडीपी में करीब 10 प्रतिशत का हिस्सा है और हर दसवां रोजगार इससे जुड़ा हुआ है। और इसमें भारतीयों का अच्छा-खासा योगदान है। थाईलैंड के पर्यटन विभाग का अनुमान है कि 2023 में भारतीयों ने वहां करीब 63 अरब बहत (1.8 अरब अमरीकी डालर) खर्च किए जो उस देश की जीडीपी का करीब 0.4 प्रतिशत है।

हाल के वर्षों में एशिया और मध्यपूर्व के कई देश - जिनमें उजबेकिस्तान जैसा पुलिसिया देश और सऊदी अरब जैसे तानाशाह शासन वाले देश भी शामिल हैं झ्र पर्यटकों का आना आसान बनाने के हर संभव उपाय करने में जुटे हुए हैं। कई देशों ने भारतीयों सहित विदेशियों के लिए या तो वीजा की शर्त को समाप्त कर दिया है या वीजा के नियमों को बहुत सरल बना दिया है। वे अपने-अपने पर्यटन स्थलों का जम कर प्रचार-प्रसार और मार्केटिंग कर रहे हैं।

रणवीर सिंह अब स्विटजरलैंड के ब्रांड एबेंसडर नहीं हैं। अपने पिता के साथ वे अबूधाबी का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। सैफ अली खान और सारा अली खान, अमिताभ बच्चन के साथ मिलकर दुबई का गुणगान कर रहे हैं। मध्य एशिया के देश अपने मुरीदों की तादाद बढ़ाने के लिए मंझले और बड़ी संख्या में फालोइंग वाले सोशल मीडिया इन्फ्यूलेंसर्स की मदद ले रहे हैं।

दूसरी ओर, भारत में पर्यटन सरकार की प्राथमिकताओं की सूची से गायब है। विदेशों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निर्धारित बजट में दो-तिहाई कटौती कर दी गई है। यह पहले 1 अरब रुपए था और अब 33 करोड़ रुपए रह गया है। पर्यटन का देश की जीडीपी में योगदान भी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2002-03 के 5.8 प्रतिशत से घटकर 2019-20 में 5.2 प्रतिशत रह गया है। यहां तक कि घरेलू पर्यटन में भी गिरावट आई है क्योंकि लोग विदेश जाना पसंद कर रहे हैं।

भारत से की जाने वाली विदेश यात्राओं की संख्या हाल के वर्षों में दो गुनी से अधिक हो गई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक रपट के मुताबिक 2024 की पहली छमाही में कोविड के पूर्व की तुलना में भारत से विदेश यात्राओं की संख्या में 12 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई।

यह साफ है कि भारतीयों की घूमने-फिरने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। मैं और आप ही नहीं, बल्कि हर कोई कहीं न कहीं जाना चाहता है। 23 से 34 साल के उम्र के लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और जल्दी ही इस आयु वर्ग के लोग, कुल जनसंख्या का पांचवा हिस्सा बन जाएंगे। और यही लोग घूमने-फिरने के लिए सबसे ज्यादा आतुर रहते हैं। इसकी एक वजह है शोशेबाजी झ्र यानि अपने-अपने सोशल मीडिया एकाउंटों पर डालने के लिए अपने फोटो हासिल करना। इसलिए वे थाईलैंड, दुबई, कुवैत, कतर, मारीशस, तुर्की और वियतनाम जैसे देशों में जमघट लगा रहे हैं। इस उछाल के और भी बहुत से कारण हैं। भारत के पासपोर्ट की हैसियत अभी भी बहुत कमजोर है और इसके जरिए वीजा-मुक्त या उसी तरह का प्रवेश केवल 58 देशों में हासिल हो सकता है।

साथ ही इन देशों में जाना बहुत महंगा नहीं है और वहां की यात्रा की योजना आपको महीनों पहले से बनाने की जरुरत नहीं है। जनरेशन जेड आसानी से सीमित खर्चे में और नौकरी से ज्यादा छुट्टियाँ लिए बिना विदेश यात्रा कर सकती है। इसके अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें से बहुत से देशों ने भारतीयों को आकर्षित करने के लिए बेहतरीन मार्केटिंग रणनीति बना रखी है और हम सब जानते हैं कि मार्केटिंग से भारतीय कितनी जल्दी प्रभावित होते हैं! पश्चिम के धनी देशों का रवैया पहले जैसा ही है। वहां भारतीयों को ऐसा महसूस नहीं होता है कि उनका स्वागत किया जा रहा है। ये देश ढ़ेर सारी कागजी कार्यवाही चाहते हैं, अच्छी आर्थिक हैसियत और वापिस जाने के इरादे के सुबूत मांगते हैं। यही वजह है कि अमरीका का वीजा हासिल करने में कई साल लग जाते हैं। शेंगेन वीजा (जो आपको 180 दिनों तक 26 यूरोपीय देशों की यात्रा करने की इजाजत देता है) हासिल करना दुरूह है और ब्रिटेन के वीजा के लिए आपको भारी-भरकम शुल्क चुकाना होता है। लेकिन इन देशों को भारतीयों की कमी महसूस नहीं होती और भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए मार्केटिंग करने में उनकी कोई रूचि नहीं है।

इसके बावजूद यह खुशी की बात है कि भारतीय झ्र खासतौर पर युवा झ्र यात्राएँ कर रहे हैं। लेकिन इसमें एक बुरी बात यह है कि वे घूमने-फिरने के लिए कर्ज ले रहे हैं। सन 2023 में हुए एक सर्वे के मुताबिक व्यक्तिगत ऋण लेने वाले शहरी भारतीयों का पांचवा हिस्सा छुट्टियों में घूमने-फिरने के लिए ऐसा करता है। छुट्टियां मनाने के लिए कर्ज लेने वालों की संख्या 21 प्रतिशत थी, जो घर की मरम्मत और उसे सजाने-संवारने के लिए कर्ज लेने वालों की संख्या (31 प्रतिशत) के बाद सबसे अधिक थी।

छुट्टियों के लिए कर्ज लेने वालों में सबसे अधिक संख्या (74 प्रतिशत) नौकरीपेशा लोगों की थी। उसके बाद स्वरोजगार करने वाले पेशेवर (14 प्रतिशत) और व्यापारी (12 प्रतिशत) थे। ऋण चाहने वालों के सबसे पसंदीदा विदेशी स्थानों में दुबई, थाईलैंड और यूरोप शामिल थे।

इस तरह भारत, भारतीय और विदेशी झ्र दोनों श्रेणियों के पर्यटकों को खो रहा है। यह आर्थिक दृष्टि से बहुत दुःखद और गंभीर है। भारत से कम दिलचस्प और रहस्यमय देशों की यात्रा करने की प्रवृत्ति चिंताजनक भी है। आखिरकार पर्यटन ही वैश्विक संस्कृति को गढ़ता है। इससे यह तय करने में मदद मिलती है कि किन स्थानों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है और किन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत को भी भारतीयों की तरह नजरअंदाज किया जा रहा है जो यूरोप और अमरीका के अन्य आकर्षक स्थानों पर जाने से वंचित रह रहे हैं।

बहरहाल, शायद नया साल कुछ अच्छी खबर लाए। शायद दुनिया की सबसे दिलचस्प जगह का दर्जा भारत को दुबारा हासिल हो सके।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक–**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई–68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी–2–301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

एटीएस का एक्शन, 3 बांग्लादेशी महिलाओं को किया गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

ठाणे। महाराष्ट्र में लगातार महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने ठाणे में बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इस घटना की जानकारी गुरुवार को एक अधिकारी ने दी और बताया कि महाराष्ट्र के ठाणे में अवैध रूप से रहने के आरोप में बांग्लादेश की तीन महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मंगलवार को वर्तक नगर इलाके में छापे मारे थे और उसी दौरान उन्हें एक कमरे में बांग्लादेश की तीन महिलाएं मिलीं थीं। वर्तक नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि ये महिलाएं एक होटल में वेटर के तौर पर काम रही थीं और उनके पास भारत में प्रवेश करने और यहां रहने के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। अधिकारी ने बताया कि इन महिलाओं की उम्र 22 से 45 वर्ष है और उनके खिलाफ पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम तथा विदेशी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है और उन पर कार्रवाई कर रही है। जानकारी दें कि पिछले कई दिनों से महाराष्ट्र में एटीएस की टीम एक्शन में आ गई है और लगातार अवैध बांग्लादेशियों को गिरफ्तार कर रही है।

16 नागरिकों को किया था गिरफ्तार

महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से एटीएस की टीम द्वारा राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ कर्रवाई कर रहे है। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने दी और बताया कि महाराष्ट्र पुलिस ने मुंबई, ठाणे और राज्य के तीन अन्य जिलों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश के 16 नागरिकों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि विशेष अभियान के तहत महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने स्थानीय पुलिस की मदद से पिछले चार दिनों में मुंबई, नासिक, नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर से बांग्लादेश के नौ नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

कलवा पूर्व में श्रीमदभागवत कथा भक्तों की उमड़ी जन सैलाब

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। कलवा पूर्व आतकोनेश्वर नगर मे ब्राम्हण जनजागरण संस्था एवं समस्त कलवा वासियों के द्वारा 29 दिसंबर श्रीमदभागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है 5 जनवरी को पूणार्हुति होगी काशी धाम से पधारे श्री कुणाल जी महाराज के मुखार बिंदु से कथा के तीसरे दिन भक्तों को भरपूर रशपान मिल रहा है कुणाल जी महाराज अपने बाड़ी से भक्तों को दर्शाया की उत्तानपाद की सुनीति पहली पत्नी थी जिसका पुत्र ध्रुव था। सुनीति बड़ी रानी थी लेकिन राजा सुनीति के बजाय सुरुचि और उसके पुत्र को ज्यादा प्रेम करता था। एक बार राजा अपने पुत्र ध्रुव को गोद में लेकर बैठे थे तभी वहां सुरुचि आ गई। अपनी सौत के पुत्र ध्रुव को गोद में बैठा देखकर उसके मन में जलन होने लगी। तब उसने ध्रुव को गोद में से उतारकर अपने पुत्र को गोद में बैठाते हुए कहा, राजा की गोद में वही बालक बैठ सकता है और राजसिंहासन का भी अधिकारी हो सकता है जो मेरे गर्भ से जन्मा हो। तू मेरे गर्भ से नहीं जन्मा है। यदि तेरी इच्छा राज सिंहासन प्राप्त करने की है तो भगवान नारायण का भजन करे। इस आयोजन को सफल बनाने में ब्राम्हण जनजागरण संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल शुक्ला, थाने अध्यक्ष वेदप्रकाश तिवारी, पं संजय मिश्रा, कमलेश शुक्ला, डॉ राम दुबे, रमेश उपाध्याय, संस्था के मीडिया प्रभारी अशोक चौबे, हरिशंकर मिश्रा, अखिलेश उपाध्याय, अशोक गिरी, ओम प्रकाश मिश्रा, कैलाश पाठक इत्यादि लगे हुए हैं।

सावंतवाड़ी में कोकण संस्था द्वारा सावित्रीबाई फुले के जन्मदिन पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई हलचल/संवाददाता

सिंधुदुर्ग, सावंतवाड़ी। कोकण संस्था की ओर से सावंतवाड़ी के मानस हॉल में क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम ३ जनवरी २०२५ को आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थी सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिबा फुले के वेश में प्रस्तुति देंगे और शिक्षा व्यवस्था में सुधार से जुड़े विभिन्न विषयों पर भाषण करेंगे। इन गतिविधियों के अंतर्गत वेशभूषा प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। विद्यार्थियों को इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, उन्हें समाज में सुधार, शिक्षा का महत्व और महिला सशक्तिकरण के विचारों की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। इस अनोखी पहल के जरिए क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले और महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले के कार्यों की शिक्षा और प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए कोकण संस्था हर वर्ष ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री लखमाराजे भोसले, बाबू जगजीवन राम नेशनल फाउंडेशन, दिल्ली के प्रतिनिधि और महिला उद्यमी अन्नपूर्णा कोरगांवकर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, कोकण संस्था के अध्यक्ष श्री दयानंद कुबल, संस्था के व्यवस्थापक सुरज कदम, प्रकल्प व्यवस्थापक प्रीति पांगे, नागसेन खडसे और साक्षी पोटे की भी उपस्थिति रहेगी। विद्यालय के शिक्षक वर्ग, मुख्याध्यापक और विद्यार्थी भी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले के कार्यों की शिक्षा नई पीढ़ी तक पहुंचाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प किया जाएगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

वाल्मिक कराड को मिल रहा वीवीआईपी ट्रीटमेंट

राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि एसआईटी का नेतृत्व अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) के उप महानिरीक्षक बसवराज तेली करेंगे। आदेश में कहा गया है कि विशेष जांच दल के अन्य सदस्यों में सीआईडी के पुलिस उपाधीक्षक अनिल गूजर, बीड की स्थानीय अपराध शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक विजयसिंह जोनवाल, बीड की स्थानीय अपराध शाखा के पीएसआई महेश विघने, केज पुलिस थाने के पीएसआई आनंद शिंदे, एएसआई तुलसीराम जगताप और पुलिस कांस्टेबल मनोज वाघ, चंद्रकांत कलकुटे, बालासाहेब अहंकारे और संतोष गिट्टे शामिल हैं। 20 दिनों तक फरार रहने के बाद इस मामले में आरोपी वाल्मीक कराड ने पुणे स्थित सीआईडी कार्यालय में आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद उसे बीड़ ले जाया गया और इसके बाद विपक्ष ने आलोचनाओं का तूफान खड़ा कर दिया है। वाल्मीक कराड फिलहाल केज स्थित सीआईडी कार्यालय में हैं। उनकी मेडिकल जांच की गई है और कुछ समय के लिए उन्हें ऑक्सीजन भी लगाई गई थी।

अजित पवार बनेंगे पुणे के पालक मंत्री!

कुछ दिन पहले ही बीजेपी नेता और मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने भी पुणे के पालकमंत्री पद को लेकर टिप्पणी की थी। ऐसे में महायुति में पालक मंत्री पद के लिए रस्साकशी अब भी जारी है। जब दत्तात्रय भरणे से पूछा गया कि उनके द्वारा मंत्री पद का कार्यभार अब तक क्यों नहीं संभाला गया। क्या वह नाराज या नाखुश हैं। इस पर उन्होंने कहा कि मैं बाहर (विदेश) में था। अब अगले सप्ताह मुंबई जा रहा हूं। मैं परेशान नहीं हूं। नाराजगी भरी बातों में कोई सच्चाई नहीं है। दत्तात्रय भरणे ने कहा कि वह अगले सप्ताह कार्यभार संभालेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व में हम राज्य को बहुत अच्छी तरह से आगे ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। भरणे से जब पुणे के पालकमंत्री के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कोई कुछ भी कहे, अजित पवार ही पुणे के पालक मंत्री बनेंगे। भरणे ने कहा कि पुणे के पालक मंत्री के पद के बारे में कुछ भी अजीब नहीं है। सब कुछ आपके मन मुताबिक होगा। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस संबंध में उचित निर्णय लेंगे।

तेजस्वी यादव को मिलेगी कुर्सी...

इससे पहले भी जब नीतीश कुमार महागठबंधन का हिस्सा थे तो लगातार उनको कहते देखा गया कि अब इनको(तेजस्वी यादव) ही संभालना है। इन्हीं को आगे बढ़ाया जाएगा। अब नीतीश कुमार के साथ आने को लेकर किए गए सवाल पर लालू प्रसाद यादव ने कहा कि आते हैं तो काहे नहीं लेंगे, रहें साथ में काम करें, हां रख लेंगे, उनकी सारी गलतियां माफ कर देंगे। लालू ने कहा कि माफ करना ही हमारा फर्ज है। हमारा तो दरवाजा खुला हुआ है और नीतीश कुमार का भी खुला रहना चाहिए। ालांकि इससे पहले तेजस्वी यादव ने कहा था कि सीएम नीतीश के लिए दरवाजा बंद है। वह थके हुए मुख्यमंत्री हैं, लेकिन आरजेडी में लालू यादव ही सर्वेसर्वा हैं। उनका फैसला ही पार्टी में चलता है और बिहार की राजनीति में इन दिनों बहुत हलचल है। नीतीश कुमार दिल्ली गए और ना जेपी नड्डा से मुलाकात हुई और ना ही गृह मंत्री अमित शाह से। इसके पीछे का कारण कोई बड़ा राजनीतिक टकराव है। यानी नाराजगी की बात जो कही जा रही है, वो बिलकुल सही साबित हो रही है। वहीं लालू यादव राजनीति के मंझे हुए खिलाड़ी हैं और मौके की नजाकत को देखते हुए वह अपने फैसले बदल भी लेते हैं। अब जबकि भाजपा और जेडीयू के बीच कुछ खटपट नजर आ रही है तो उनके लहजे में नीतीश कुमार को लेकर नर्मी देखी जा रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वो तो भाग जाते हैं, चले जाते हैं। बहरहाल अब बिहार के दिग्गज नेताओं की राजनीति क्या गुल खिलाने वाली है, यह तो समय ही बताएगा। वैसे राजनीतिक विशेषज्ञों की मानें तो बिहार की राजनीति कब करवट ले ले, कुछ भी कहा नहीं जा सकता है।

नागपुर में डबल हत्याकांड

मामले को गंभीरता से लेते हुए फिर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और जांच के बाद उनके बेटे उत्कर्ष को गिरफ्तार कर लिया। सख्त कार्रवाई और कड़ी पूछताछ के बाद उत्कर्ष ने अपना जुर्म कबूल किया हत्या की बात स्वीकार की। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जब तक टीम शवों तक पहुंची तब तक शव पूरी तरह से सड़ चुके थे। मृतकों की पहचान लीलाधर ढकोले (55) और उनकी 50 वर्षीय पत्नी अरुणा ढकोले के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी उत्कर्ष ने खुद कबूल किया कि उसने कथित तौर पर 26 दिसंबर की दोपहर को अपनी मां की गला घोंटकर हत्या की और फिर शाम 5 बजे पिता के घर लौटने पर चाकू घोंपकर उनकी हत्या कर दी और शवों को वहीं छोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि उत्कर्ष की मां टीचर एक थीं और पिता एक पावर प्लांट में टेकनीशियन का काम करते थे साथ ही वे एक सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। पुलिस जांच में यह सामने आया कि उसके एजुकेशन रिकॉर्ड और करियर को लेकर मतभेद हुए थे, जिसकी वजह से उसने माता-पिता की हत्या कर दी।

आम आदमी पार्टी गिरगिट की तरह रंग बदलती है, जनता समझ चुकी है: त्रिवेदी

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की सत्ता में एक दशक रहने के बाद भी कोई वादा पूरा नहीं किया: भाजपा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भाजपा ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की सत्ता में एक दशक रहने के बाद भी कोई वादा पूरा नहीं किया है। भाजपा ने बुधवार को आम आदमी पार्टी और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर अपना हमला तेज करते हुए उन पर दिल्ली के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता तथा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि आप पार्टी यह विचार लेकर आई कि हम नई राजनीति ला रहे हैं। त्रिवेदी ने कहा कि आप गिरगिट की तरह रंग बदलती है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली की जनता से झूठे वादे कर रहे हैं। आप नेता जो कहते हैं वो नहीं करते हैं। मोहल्ला क्लीनिक में भ्रष्टाचार उजागर हुआ। अब केजरीवाल को जनता समझ चुकी है।

कूड़े के ढेर तो उठे नहीं, अंबार और लग गए

सुधांशु ने कहा कि केजरीवाल ने बिजली दरें कम करने, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, शिक्षा प्रणाली में सुधार करने, स्वास्थ्य सेवा बढ़ाने, स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने, लैंडफिल को हटाने, महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने, झुग्गीवासियों के लिए आवास की पेशकश करने और यमुना को साफ करने का वादा किया था। हालांकि, इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने असुरक्षित बिजली तारों से राहत दिलाने का वादा किया। उन्होंने वादा किया था कि वह कूड़े के ढेर साफ करेंगे। हालांकि, बताया जा रहा है कि दिल्ली में कूड़े के ढेरों की ऊंचाई 8 मीटर तक बढ़ गई है। त्रिवेदी ने केजरीवाल की दस प्रतिबद्धताओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में एक दशक रहने के बाद भी उनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक विचित्र संवैधानिक उदाहरण भी 2024 में देश ने देखा। जब जेल से रहकर किसी मुख्यमंत्री ने सरकार को चलाया। भाजपा नेता ने कहा कि केजरीवाल पर आरोप लगा और उन्हें जेल जाना पड़ा। हालांकि केजरीवाल जेल जाने वाले पहले मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके पहले भी हेमंत सोरेन, मधुकोड़ा, लालू प्रसाद यादव, जयललिता, करूणानिधि ये सब भी पद पर रहते हुए जेल गए। परंतु लालू प्रसाद यादव ने इतनी मर्यादा रखी थी कि उन्होंने पद छोड़ दिया था। लेकिन 2024 एक ऐसा विस्मयकारी और विचित्र उदाहरण देश को देखने को मिला कि जिन्होंने (केजरीवाल ने) जेल जाने के बाद भी मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ा।

त्रिवेदी ने कहा कि आप पार्टी यह विचार लेकर आई कि हम नई राजनीति ला रहे हैं। आज की राजनीति में सभी राजनीतिक दलों के बीच सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता का संकट था। उन्होंने कहा कि आम जनता के बीच यह धारणा बन गई थी कि राजनेता जो उपदेश देते हैं, उस पर अमल नहीं करते। उन्होंने कहा क पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी और एनडीए ने इस धारणा को बदला और राजनीति में विश्वसनीयता स्थापित की। दूसरी ओर, आप विपरीत चरम का प्रतिनिधित्व करती है, जहां वे हमेशा अपने वादों को पूरा करने में विफल रहते हैं।

देश में पूजा स्थल कानून सख्ती से लागू किया जाए, सुनवाई आज

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 2 जनवरी को सुनवाई करेगा। याचिका में ओवैसी ने देश में पूजा स्थल कानून लागू करने की मांग की है। ओवैसी ने अधिवक्ता फुजैल अहमद अय्यूबी के माध्यम से 17 दिसंबर को याचिका दाखिल की।ओवैसी ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार को कानून को प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की है। ओवैसी के वकील ने हवाला दिया कि कई अदालतों ने हिंदू वादियों की याचिकाओं पर मस्जिदों का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया था। उधर, मुस्लिम पक्ष की दलीलों में मस्जिदों की मौजूदा स्थिति को बनाए रखने के लिए पूजा स्थल कानून को लागू करने की मांग की गई है।

खबर संक्षेप

जलना में भीषण सड़क हादसा, 4 की मौत

जलना। महाराष्ट्र के जलना जिले में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, खड़े ट्रक से एक कार टकरा गई, जिससे यह दुर्घटना हुई। इससे पहले सोलापुर से भीषण सड़क हादसे की खबर आई। इस सड़क हादसे में 4लोगों की मौत हो गई और 7 लोग घायल हो गए।

26 जनवरी की परेड देखने को आज से बुकिंग

नई दिल्ली। अगर आप दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड और बीटिंग रिट्रीट को लाइव देखना चाहते हैं तो इसके लिए टिकटों को 2 जनवरी 2025 से खरीदा जा सकेगा। परेड को देखने के लिए टिकटों की कीमत 20 और 100 रुपए तय की गई है। आप घर बैठे मोबाइल की मदद से इसकी वेबसाइट पर जाकर अपने टिकट्स को बुक कर सकते हैं।

बेंगलुरु की पूर्व पार्षद हत्याकांड में 7 को उम्रकैद

बेंगलुरु। बेंगलुरु की एक अदालत ने पूर्व बीजेपी पार्षद रेखा कादिरेश की हत्या के मामले में सात लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह घटना 2021 की है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह का स्मारक बनाने की प्रक्रिया शुरू

केंद्र सरकार ने परिवार को सुझाए विकल्प राष्ट्रीय स्मृति स्थल समेत कई नाम दिए

विकल्पों में राष्ट्रीय स्मृति स्थल समेत कुछ अन्य स्थानों का नाम शामिल हैं, जहां उनका स्मारक बनाए जाने की संभावना है। परिवार की ओर से स्मारक की जगह चुनने के बाद ट्रस्ट बनाने की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर उनके परिवार को कुछ विकल्प दिए हैं। इन विकल्पों में राष्ट्रीय स्मृति स्थल समेत कुछ अन्य स्थानों का नाम शामिल हैं, जहां उनका स्मारक बनाए जाने की संभावना है।सरकारी सूत्रों के अनुसार परिवार की ओर से स्मारक की जगह चुनने के बाद ट्रस्ट बनाने की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। यह ट्रस्ट स्मारक निर्माण की योजना और उसके बाद की सभी गतिविधियों की देखरेख करेगा। परिवार की तरफ से अभी तक किसी खास जगह को लेकर फैसला नहीं लिया गया है। स्मारक की जमीन के लिए ट्रस्ट आवेदन करेगा। जमीन आवंटन के बाद सीपीडब्ल्यूडी के साथ एमओयू पर दस्तखत होंगे। इसके बाद ही स्मारक बनाने का काम शुरू हो सकेगा। केंद्र सरकार ने परिवार से कहा है कि वे दिए गए विकल्पों में से कोई एक स्थान का चयन कर लें। ताकि स्मारक का काम शुरू हो सके। नई नीति के अनुसार जमीन केवल ट्रस्ट को ही आवंटित की जा सकती है। ट्रस्ट के बाद ही स्मारक के निर्माण शुरू होगा।

स्मारक स्थल के चयन के बाद ट्रस्ट की देखरेख में होगा निर्माण

खास बातें

- जमीन आवंटन के बाद सीपीडब्ल्यूडी के साथ एमओयू होगा
- इसके बाद ही स्मारक बनाने के कार्य को शुरू किया जाएगा

इन जगहों पर बनाया जा सकता है स्मारक

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन पिछले साल 26 दिसंबर को हुआ था. इसके बाद उनके स्मारक को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार ने मांग की थी। सूत्रों के अनुसार मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए राजघाट, राष्ट्रीय स्मृति स्थल या किसान घाट के पास एक से डेढ़ एकड़ जमीन दी जा सकती है।

यहां दी जा सकती है एक से डेढ़ एकड़ जमीन

स्मारक की जमीन के लिए ट्रस्ट आवेदन करेगा। जमीन आवंटन के बाद सीपीडब्ल्यूडी के साथ एमओयू पर दस्तखत होंगे। सूत्रों के अनुसार, मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए राजघाट, राष्ट्रीय स्मृति स्थल या किसान घाट के पास एक से डेढ़ एकड़ जमीन दी जा सकती है।

स्मारक के लिए अधिकारियों ने किया दौरा

शहरी विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने स्मारक के लिए राजघाट और उसके आसपास के इलाके का दौरा किया है। यह भी संभावना है कि डॉ मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए नेहरू-गांधी परिवार के नेताओं की समाधि के पास जगह दी जाए। यहां पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और संजय गांधी की समाधि है।

कांग्रेस ने लगाया था आरोप

डॉ. सिंह के निधन के बाद कांग्रेस पार्टी ने सरकार को स्मारक को लेकर चिट्ठी लिखी थी। पार्टी के नेताओं ने सरकार पर कुछ आरोप लगाए थे। कांग्रेस की मांग थी कि मनमोहन सिंह का अंतिम सरकार और स्मारक एक ही जगह पर हो। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया था कि देश की जनता यह नहीं समझ पा रही है कि सरकार को उनके अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए एक जगह क्यों नहीं मिल पा रही है।

सरकार ने कहा था- स्मारक जरूर बनेगा

बीते दिनों कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री सिंह की अंत्येष्टि और स्मारक के लिए स्थान नहीं ढूंढ पाना भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर किया गया अपमान है। इस पर भाजपा की ओर से जवाब भी दिया गया था। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि कोई अपमान नहीं किया गया। आने वाले दिनों में स्मारक जरूर बनेगा। जो लोग विवाद पैदा कर रहे हैं उन्हें खुली छूट नहीं देनी चाहिए। सिख समुदाय ने आकर उनके (पूर्व पीएम मनमोहन सिंह) लिए प्रार्थना की। हमने हमेशा उनके काम की प्रशंसा की है और उनसे प्रेरणा ली है।

जलगांव में मंत्री की गाड़ी का हॉर्न बजाने पर बवाल

दो गुटों में जमकर पथराव और आगजनी के बाद लगाया कर्फ्यू

7 लोगों को गिरफ्तार किया गया

मुंबई हलचल / जलगांव

महाराष्ट्र के जलगांव में साल के पहले ही दिन दो गुटों में मामूली विवाद ने हिंसक रूप अख्तियार कर लिया है। विवाद ऐसा भड़का कि देखते-ही देखते पथराव और आगजनी होने लगी। इसके बाद पुलिस को शहर में कर्फ्यू लगाना पड़ा है। ये विवाद तब शुरू हुआ, जब उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव जिले के एक गांव में राज्य के मंत्री गुलाबराव पाटिल की कार के चालक और स्थानीय निवासियों के समूह के बीच हॉर्न बजाने को लेकर मामूली विवाद हुआ। पुलिस ने बताया कि पल्थी गांव में हिंसा के दौरान कई दुकानों में आग लगा दी गई और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया, जिसके बाद से सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिसने बताया कि कसाईवाड़ा में राज्य के मंत्री गुलाबराव की कार के चालक और स्थानीय लोगों के एक समूह के बीच उस समय तीखी नोकझोंक हुई, जब चालक ने हॉर्न बजाकर रास्ता देने के लिए कहा।

मंत्री के परिवार का सदस्य कार में था

शिवसेना नेता और जलापूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री पाटिल इस मौके पर मौजूद नहीं थे, लेकिन उनके परिवार का एक सदस्य कार में सवार था। पुलिस ने बताया कि हालांकि बहस मौके पर ही खत्म हो गई, लेकिन बाद में इलाके के कुछ लोग गांव के चौराहे पर पहुंच गए और विरोध-प्रदर्शन शुरू कर किया। इसके बाद एक और समूह वहां पहुंच गया, जिसके बाद दोनों गुटों में झड़प शुरू हो गई। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद दोनों गुटों में पथराव हुआ फिर तोड़फोड़ और गांव में कई दुकानों में आग लगा दी।

भीड़ ने चालक की पिटाई और तोड़फोड़ की, गाड़ियां भी जलाई

भीड़ ने मंत्री पाटिल की पत्नी को ले जा रही कार के ड्राइवर की पिटाई कर दी और गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। भीड़ ने पत्थरबाजी और आगजनी शुरू कर दी। एक दर्जन से अधिक दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया और 6 गाड़ियां भी जला दी गईं। जैसे ही घटना की जानकारी मिली, तो पुलिस पलाधी गांव पहुंची, तब तक आगजनी और पथराव करने वाले भाग चुके थे। आगजनी के लिए जिम्मेदार युवकों की गिरफ्तारी शुरू कर दी है। पथराव करने वालों और आगजनी करने वालों की तलाश जारी रही।

स्थिति अब नियंत्रण में

असल विवाद पलथी गांव के कसाईवाड़ा इलाके में मंगलवार देर रात शुरू हुआ था, जो बुधवार को हिंसक हो गई। उन्होंने बताया कि गांव में अतिरिक्त पुलिस कर्मियों, राज्य रिजर्व पुलिस बल और दंगा नियंत्रण पुलिस टीमों के साथ-साथ दमकल वाहनों को तैनात किया गया है। स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस ने सात लोगों को अरेस्ट किया है।

भीड़ का फायदा उठाकर सुरक्षा जांच के दौरान घटना को दिया अंजाम

मेट्रो की स्कैनिंग मशीन से 15 लाख के गहनें चुराने वाले दो गिरफ्तार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

करोल बाग मेट्रो स्टेशन पर स्कैनिंग मशीन से 15 लाख रुपये कीमत के आभूषणों से भरा बैग चोरी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला और एक पुरूष शामिल है। इनके नाम पहचान झारखंड निवासी मन्नोनित डांग (30) और सालिक महली (29) बताये गये हैं।

डीसीपी मेट्रो डॉ. जी राम गोपाल नायक के अनुसार करोल बाग मेट्रो स्टेशन पर शिकायतकर्ता का एक बैग चोरी हो जाने पर 26 दिसंबर को ऑनलाइन (ई-एफआईआर) दर्ज की गई थी। बैग में कीमती आभूषण थे। यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर मशीन पर सुरक्षा जांच के दौरान चोरी की इस घटना को अंजाम दिया गया। राजा गार्डन मेट्रो पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) (चोरी) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इंस्पेक्टर महेश चंद्र के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। टीम ने विभिन्न मेट्रो स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की गहनता के साथ जांच की। करोल बाग स्टेशन के एक फुटेज में महिला यात्री अपने साथी के साथ 'स्कैनिंग मशीन' से उस बैग को उठाती हुई दिखी। वह कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलती हुई भी दिखाई दी। तकनीकी निगरानी एवं खुफिया तंत्रों के माध्यम से संदिग्ध महिला को राजेंद्र नगर में खोजा गया और इसके बाद 28 दिसंबर को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में महिला ने बताया कि चोरी के बाद उसका साथी सालिक महली अहमदाबाद भाग गया था। 30 दिसंबर को उसे पकड़कर वापस दिल्ली लाया गया। इनसे 15 लाख रुपये के चोरी हुये सभी आभूषण बरामद कर लिये गये हैं।

दो फॉर्च्यूनर कार हुई बरामद

50 से ज्यादा फॉर्च्यूनर चोरी में शामिल गैंग के दो बदमाश किए गिरफ्तार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अपराध शाखा की आईएससी टीम द्वारा वाहन चोरों के अंतरराज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया है। इनसे चोरी की दो फॉर्च्यूनर कारें भी बरामद हुई है। इसके अलावा दो डुप्लिकेट चाबी और प्रोग्रामिंग टूल भी बरामद की गई है। पुलिस की जांच में पता चला कि यह सिंडिकेट अब तक 50 से अधिक फॉर्च्यूनर कारों की चोरी में शामिल रहा है।

डीसीपी संजय कुमार सेन के अनुसार आईएससी की एक टीम ऑटो-लिफ्टरों और चोरी के वाहनों के रिसीवर का पता लगाने पर काम कर रही थी। इस दौरान फॉर्च्यूनर कारों की चोरी में शामिल इस सिंडिकेट के बारे में पता चला। मुखबिरों के माध्यम से सूचना को और विकसित किया गया और इसी क्रम में इंस्पेक्टर मनमीत मलिक की देखरेख वाली टीम ने चिल्ला मोड़, मयूर विहार में जाल बिछाया। ऑटो लिफ्टरों में से एक को काली फॉर्च्यूनर में आते देखा तो टीम ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया। उसे पकड़ने की कोशिश की गई तो वह कार में तेजी से भागने लगा लेकिन अलर्ट टीम ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ करने पर कार सवार का नाम आकिल पता चला। बरामद कार आनंद विहार थाना एरिया से चोरी की गई थी। निरंतर पूछताछ पर आकिल ने खुलासा किया कि वह अपने जीजा साजिद और एक मास्टर उर्फ मशरूर निवासी सुल्तानपुर, यूपी (गिरोह नेता) के साथ मिलकर सिंडिकेट चला रहा है। आरोपी चोरी के वाहनों के इंजन और चेसिस नंबर बदलकर अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर क्षेत्र में बेच देते थे। इसके बाद सह-अभियुक्त साजिद को भी गिरफ्तार किया गया और उनकी निशानदेही पर डुप्लीकेट चाबी के साथ एक फॉर्च्यूनर कार सिकंदराबाद, यूपी से बरामद की गई। यह कार भी आनंद विहार थाना एरिया से चोरी की गई थी।

भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था है, मुद्रास्फीति पर काबू पाने खर्चे बढ़ाना होगा

नए साल में अर्थव्यवस्था में बढ़िया वृद्धि और ब्याज दरों में कटौती की संभावना

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत को भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटना होगा, घरेलू मुद्रास्फीति पर काबू पाना होगा और निजी क्षेत्र को अपने खर्चे और बढ़ाने के लिए प्रेरित करना होगा, क्योंकि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था सितंबर तिमाही की सुस्ती को पीछे छोड़ते हुए 2025 में और अधिक सकारात्मक प्रगति की उम्मीद कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि 2024-25 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के उच्च आवृत्ति संकेतक बताते हैं कि अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है, जो मजबूत त्यौहारी गतिविधि और ग्रामीण मांग में निरंतर वृद्धि से प्रेरित है। देश की आर्थिक वृद्धि जुलाई-सितंबर में सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई थी। हालांकि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसे 'अस्थायी झटका' करार दिया है। सीतारमण ने संसद में चर्चा के दौरान कहा था कि दूसरी तिमाही में उम्मीद से कम 5.4 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि एक 'अस्थायी झटका' है और आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में स्वस्थ वृद्धि देखी जाएगी।

वृद्धि दर सात फीसदी पर होगी स्थिर

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, " आने वाले वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाएं उज्ज्वल दिख रही हैं। हम उम्मीद कर सकते हैं कि वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपेक्षित 6.6-6.8 प्रतिशत के अतिरिक्त सात प्रतिशत के स्तर को पार कर जाएगी।"

सभी की निगाहें फरवरी के बजट पर

वृद्धि बनाम मुद्रास्फीति की बहस पर वित्त मंत्रालय और आरबीआई के बीच मतभेद के साथ ही सभी की निगाहें फरवरी में ब्याज दरों में संभावित कटौती पर भी टिकी होंगी, जब केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति की समिति नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में पहली बार बैठक करेगी।

बजट के बाद तुरंत होगी एमपीसी की बैठक

समिति की बैठक वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट के तुरंत बाद होगी, जिसमें मोदी 3.0 सरकार के आर्थिक तथा राजकोषीय खाके को प्रस्तुत किया जाएगा। खासकर वैश्विक तनावों तथा अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के जल्द राष्ट्रपति पद संभालने के संदर्भ में..।

जीडीपी वृद्धि 6.9 फीसदी अनुमानित

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की संभावनाएं उज्ज्वल हैं, क्योंकि व्यापक आर्थिक बुनियादी मजबूत है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 6.6 प्रतिशत और वित्ती वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

ट्रंप की नीतियां भी डालेंगी असर

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा भी काफी हद तक ट्रंप की नीतिगत पहलों पर निर्भर करेगी, जो 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति का पदभार संभालेंगे। साथ ही भारत के साथ-साथ अन्य देशों में प्रतिभूति तथा मुद्रा बाजारों में वर्तमान अस्थिरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

आर्थिक परिदृश्य काफी उज्ज्वल

साख निर्धारण करने वाली एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, भू-राजनीति व संघर्ष, केंद्रीय बैंक की नीतिगत दरों में ढील और जिंस की कीमतों, शुल्क के खतरों आदि के बीच घरेलू परिदृश्य से भारतीय अर्थव्यवस्था का आर्थिक परिदृश्य काफी उज्ज्वल प्रतीत होता है।

कड़ी सुरक्षा के बीच 31 मई तक विभिन्न बिंदुओं पर जलस्तर मापेंगे

भारत-बांग्लादेश ने गंगा के जलस्तर की माप शुरू की

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

बांग्लादेश और भारत सरकार के प्रतिनिधियों ने बुधवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच गंगा जल बंटवारा संधि-1996 के दायरे में पद्मा और गंगा नदियों के जलस्तर की माप शुरू की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय जल आयोग के कार्यकारी अभियंता मुत्ताथ लियो फ्रैंकलिन और सहायक निदेशक रितेश कुमार शामिल हैं। गंगा नदी बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद पद्मा के नाम से जानी जाती है। फ्रैंकलीन और रितेश कुमार ने पद्मा नदी पर हार्डिंग ब्रिज के 3,500 फीट ऊपर एक बिंदु पर जलस्तर को मापना शुरू किया है। पबना हाइड्रोलॉजी के कार्यकारी अभियंता एमडी रेजाउल करीम के नेतृत्व में दो सदस्यीय बांग्लादेश की टीम ने भारतीय विशेषज्ञों के साथ भारत में फरक्का बिंदु पर संयुक्त रूप से जलस्तर को मापना शुरू किया है।

गंगा नदी बांग्लादेश में पद्मा के नाम से जानी जाती है

फरक्का बिंदु पर संयुक्त रूप से जलस्तर मापना शुरू

न्यूनतम 35,000 क्यूसेक हिस्सेदारी की गारंटी

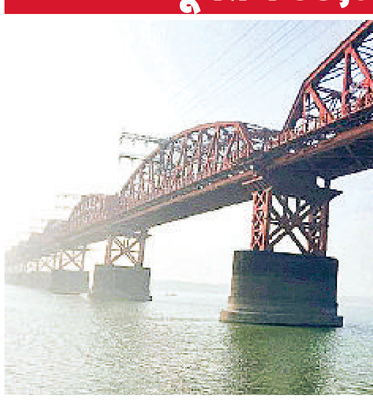

बांग्लादेश जल विकास विभाग के कार्यकारी अभियंता मोहम्मद जाहेदुल इस्लाम ने कहा कि भारत और बांग्लादेश दोनों 31 मई तक गंगा और पद्मा नदियों के विभिन्न बिंदुओं पर जलस्तर की माप करेंगे। संधि के अनुसार, यदि फरक्का बिंदु पर प्रवाह 70,000 क्यूसेक या उससे कम है, तो बांग्लादेश और भारत दोनों पानी के 50 प्रतिशत हिस्से के हकदार हैं। दूसरे चक्र में यदि प्रवाह 70,000 और 75,000 क्यूसेक के बीच होता है, तो बांग्लादेश को न्यूनतम 35,000 क्यूसेक पानी प्राप्त होगा, शेष भारत को आवंटित किया जाएगा। अंतिम चक्र में भारत को न्यूनतम 40,000 क्यूसेक पानी मिलेगा बाकी बांग्लादेश को मिलेगा। साथ ही 11 मार्च से 10 मई तक, दोनों देशों को हर महीने तीन चक्रों में से एक के दौरान न्यूनतम 35,000 क्यूसेक के हिस्सेदारी की गारंटी दी जाती है।

नदी का प्रवाह काफी बेहतर

जाहेदुल इस्लाम ने कहा कि इस साल पानी का प्रवाह पिछले साल की तुलना में काफी बेहतर है। हार्डिंग ब्रिज बिंदु पर पद्मा नदी का प्रवाह 85,000 क्यूसेक से अधिक दर्ज किया गया है। बता दें, गंगा नदी बांग्लादेश में प्रवेश करते ही पद्मा के नाम से जानी जाती है। राजमहल से 30 किमी पूर्व में गंगा की एक शाखा मुर्शिदाबाद, बहरमपुर, नदिया, हुगली और कोलकाता होती हुई पश्चिम-दक्षिण की ओर बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है।

शरीर को स्वस्थ रखने के साथ वजन कम करने में मदद करते हैं ये 4 डिटॉक्स वाटर

स्वस्थ रहने के लिए शरीर को डिटॉक्स करना बहुत जरूरी है। बॉडी डिटॉक्स करना यानि शरीर के अंदर के विषैले पदार्थों को बाहर निकालना। आज हम आपको ऐसे डिटॉक्स वॉटर बताने जा रहे हैं जो शरीर को टॉक्सिन्स रहित बनाने के साथ पाचन तंत्र के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा इसे पीने से स्किन साफ, लिवर स्वस्थ रहता है और यह एनर्जी बूस्ट करने में मदद करता है। आइए जानिए घर पर कैसे बनाएं डिटॉक्स वाटर?

1. अनानास का डिटॉक्स वाटर - अनानास से तैयार वाटर एक्सट्रा चर्बी कम करने में मदद करता है। इसे बनाने के लिए अनानास और नींबू के टुकड़े बारीक काट लें। फिर इसे जार में लेकर इसमें पुदीने के पत्ते, पानी और बर्फ के टुकड़े डालें। अब इसे 4 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें और फिर पीएं।

२. स्ट्रॉबरी-किवी का डिटॉक्स वाटर - स्ट्रॉबरी और किवी में विटामिन्स, पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इससे तैयार डिटॉक्स वाटर पीने से शरीर को पर्याप्त मात्रा में न्यूट्रिशन मिलता है और यह टॉक्सिन्स निकालने में मदद करता है। इसे तैयार करने के लिए स्ट्रॉबरी और किवी के बारीक टुकड़े काट लें और इसे पानी में डाल कर इसमें पुदीने के पते और बर्फ के टुकड़े डालें। फिर इसे ६ घंटे के लिए फ्रिज में रखें।

३. संतरे और खीरे का डिटॉक्स वाटर - शरीर को टॉक्सिन रहित बनाने के लिए संतरे और खीरे से तैयार डिटॉक्स वाटर काफी फायदेमंद है। यह शरीर को बीमारियों से भी बचाए रखता है। संतरे में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है और खीरा शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करता है। इससे डिटॉक्स वाटर तैयार करने के लिए पुदीने के पते और खीरे को काट कर पानी में डालें। फिर इसमें संतरे के टुकड़े डाल कर फ्रिज में २ घंटे के लिए रख दें।

4.तरबूज और खीरे का डिटॉक्स वाटर - यह शरीर को टॉक्सिन्स रहित करने के साथ पाचन तंत्र के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसके लिए तरबूज, खीरे और पुदीने के पते काटकर जार में डालें और फिर इसे फ्रिज में 4 घंटे के रखें। फिर इसे पीएं।

महीने में Fairness पाने के लिए नेचुरल तरीके से बनाएं यह क्रीम

गोरापन हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है। हर लड़की भी यही चाहती है कि किसी न किसी तरीके उसकी त्वचा में निखार आ जाए। इसके लिए वह कई तरह की फेयरनेस क्रीम का इस्तेमाल भी करती हैं। कई बार इन क्रीम्स में मौजूद कैमिकल त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। अगर घर पर नेचुरल तरीके से फेयरनेस क्रीम बनाकर इस्तेमाल की जाए तो जल्दी फायदा मिलता है।

जरूरी सामान – 1 टेबलस्पून नींबू का रस
3 टेबलस्पून गुलाब जल
1 टेबलस्पून बादाम या ऑलिव ऑयल
2 टेबलस्पून एलोवेरा जेल

क्रीम बनाने का तरीका

सबसे पहले नींबू के रस और गुलाब जल को अच्छे से मिक्स कर लें। अब चंदन के पाउडर को इसमें डालकर मिक्स करें। इसके बाद इसमें ऑलिव ऑयल या फिर बादाम का तेल मिलाएं और अच्छी तरह मिक्सी में डालकर मिला लें। जब यह मिक्स हो जाए तो इसमें एलोवेरा जेल डाल दें और मिक्सी में सारे मिश्रण को अच्छे से मिला लें। जब यह क्रीम की तरह बन जाए तो इसे एयरटाइट डिब्बी में डाल कर रख लें।

इस तरह करें इस्तेमाल – इसे इस्तेमाल करने से पहले चेहरे को गुलाब जल के साथ अच्छी तरह से क्लीन कर लें। अब हथेली पर थोड़ी-सी क्रीम लेकर इसे चेहरे पर अप्लाई करें। इसकी चेहरे पर अच्छी तरह से मसाज करें। एक महीने तक दिन में लगातार 2 बार इस क्रीम का इस्तेमाल करें। इससे नेचुरल तरीके से चेहरे का रंग गोरा होना शुरू हो जाएगा।

कोशिश करने के बाद भी नहीं छूट रही शराब की लत तो अपनाएं ये टिप्स

आज 10 में 7 लोग शराब पीने के आदी हैं। शराब की लत ने ना सिर्फ उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी है बल्कि उनके परिवार वाले भी इस आदत से दुखी हैं। शराब पीने की वजह से कई घर टूट रहे हैं। अपने परिवार को अच्छा माहौल देने के लिए कुछ लोग तो इस गंदी आदत को छोड़ना भी चाहते हैं। मगर कई बार कोशिश करने के बाद भी वह शराब छोड़ नहीं पाते। अगर आप शराब छोड़ने का मन बना चुके हैं तो ये घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

1. गाजर का जूस – जो लोग शराब छोड़ना चाहते हैं उनके लिए गाजर बहुत बढ़िया है। रोजाना गाजर का जूस पीने से शराब पीने की इच्छा खत्म होती है। इसके साथ ही शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

2. खजूर – शराब की लत से छुटकारा पाना चाहते हैं तो खजूर को दूध के साथ मिसकर करके पीएं। इसको पीने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

3. करेले के पत्ते – करेले के रस से भी शराब की लत को कुछ ही दिनों में दूर किया जा सकता है। करेले के पत्तों को पीसकर इसका रस निकाल लें। फिर इमसें शहद के 2 चम्मच मिलाकर पीए लें।

4. अंगूर – शराब जो है वह अंगूर से ही बनती है। अगर आप रोजाना अंगूर खाना शुरू कर देते हैं तो कुछ ही दिनों में शराब पीने की आदत छूट जाएगी।

5. अजवाइन – 1 गिलास पानी में अजवाइन डालकर उसको तब तक उबालें जब तक वह आधा ना रह जाए। अब इस पानी को ठंडा होने के बाद पीएं। लगातार 1 महीने तक इस पानी को पीने से शराब पीने की इच्छा कम होगी।

6. शिमला मिर्च – शिमला मिर्च को पीसकर इसका जूस निकाल लें। रोजाना खाना खाने के बाद आधा कप शिमला मिर्च का जूस पीएं। ऐसा करने से थोड़े दिनों में आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

7. अदरक का तेल – अदरक का तेल या इसकी चाय पीने से भी शराब छोड़ने में मदद मिलती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कंगना रनौत की बढ़ी टेंशन

जहां एक तरफ बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत राष्ट्रद्रोह मामले में नोटिस दिए जाने के बावजूद बीते 18 दिसंबर बुधवार को आगरा की अदालत में पेश नहीं हुईं थीं। वहीं अदालत की ओर से कंगना को तीसरी बार नोटिस दिया गया था, लेकिन तीनों बार न तो कंगना हाजिर हुईं और न ही उनकी तरफ कोई अधिवक्ता पेश हुआ। ऐसे में अब अदालत ने अभिनेत्री को आज 2 जनवरी 2025 को उसके सामने पेश होने का आदेश दिया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और किसानों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कंगना के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज कराया था। जानकारी दें कि, किसानों पर अभद्र टिप्पणी करने और महात्मा गांधी के अहिंसात्मक सिद्धांत का मजाक उड़ाने के आरोप में कंगना रनौत के खिलाफ केस दायर किया गया था। बीते 26 अगस्त 2024 को भाजपा सांसद कंगना रनौत ने टीवी चैनलों पर दिए साक्षात्कार में किसानों पर अभद्र टिप्पणी की थी। इसके पहले बीते 16 नवंबर 2021 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसात्मक सिद्धांत का मजाक उड़ाया था।

अनुराग अब साउथ में करेंगे काम

फिल्ममेकर और डायरेक्टर अनुराग कश्यप बॉलीवुड से काफी नाराज दिखाई दे रहे हैं। कश्यप बॉलीवुड हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से इस हद तक क्या गए हैं कि उन्होंने ग्लैम सिटी मुंबई छोड़ने तक का फैसला कर लिया है। इतना ही नहीं अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड पर कुछ नया ना करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया है। अनुराग कश्यप ने द हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि वो बॉलीवुड की मानसिकता से काफी निराशा है। उन्होंने कहा कि अब मेरे लिए बाहर जाकर एक्सपेरिमेंट करने का मुश्किल हो गया है, क्योंकि इसकी कीमत जुकनी पड़ती है। शुरूआत से ही मेरे मेकर्स प्रॉपर्टी प्रॉफिट और मार्जिन के बारे में सोचते हैं। फिल्म शुरू होने से पहले, ये बात बन जाती है कि इसे कैसे भेजा जाए। अनुराग कश्यप ने आगे बॉलीवुड से निराश होने की बात कही और इसकी वजह कभी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि फिल्म मेकिंग का अंदाज खत्म हो गया है। इसलिए मैं अगले साल मुंबई से बाहर जाना चाहता हूं। मैं साउथ जा रहा हूं। मैं वहां जाना चाहता हूं, जहां उत्तेजना हो।

मलाइका ने बनाया साल 2025 का प्लान

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। मलाइका अरोड़ा इस दिन अपने पर्सनल लाइफ को लेकर खुशियों में बनी हुई है। अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद से मलाइका अरोड़ा की हर जगह चर्चा हो रही है। मलाइका अरोड़ा ब्रेकअप के दुख से निकलकर अब अपनी लाइफ पर फोकस करना चाह रही है। मलाइका अरोड़ा ने बताया कि साल 2025 में वो क्या करने वाली हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो एंजॉय करती हुईं नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने अपना रेजोल्यूशन भी फैंस को बता दिया है। वीडियो में मलाइका बाथरोब पहनकर कमरे में घूमते हुए डांस करती नजर आ रही है। पूरे रूम में मलाइका एंजॉय कर रही है और बहुत ही खुश नजर आ रही है। मलाइका का यह वीडियो खूब वायरल ही हो रहा है। इस वीडियो के साथ मलाइका में अपना न्यू ईयर रेजोल्यूशन भी बता दिया है। मलाइका अरोड़ा की वीडियो पर खास मैसेज लिखा है। उन्होंने लिखा है कि स्कॉर्पियो 2025 बेफिक्र, खुश, पैसे कमाना, फोकस्ड, अपने ही रास्ते पर रहना, पॉजिटिव ग्लोइंग, बढ़ते रहना। इस वीडियो को शेयर करते हुए मलाइका ने जो है सामने रखो लिखा है। मलाइका की इस वीडियो पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की को नए साल की मुबारकबाद।